502 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 43
प्रथम अंक
अगस्त 2020

इस अंक में...

7 सम्पादकीय
9 राष्ट्रीय घटनाक्रम
14 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
19 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
29 प्रमुख नियुक्तियाँ
30 नवीनतम सामान्य ज्ञान
34 राज्य समाचार
36 खेलकूद
39 रोजगार समाचार
41 भारतीय अर्थव्यवस्था : एक दृष्टि में
49 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
54 युवा प्रतिभाएं
57 कॅरियर लेख—सिविल सेवा परीक्षा : अपने व्यवहार एवं कार्यान्वयन से अग्रसर हों उच्च सफलता की ओर

फोकस

60 (i) कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के बीच कृषि बाजार व्यवस्था में सुधारों की पहल
63 (ii) निर्धनों पर "कोविड-19 वैश्विक महामारी" की मार
67 बोडोलैण्ड समझौता : सरकार की बड़ी कामयाबी
70 स्मरणीय तथ्य
73 विश्व परिदृश्य
76 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व
80 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएँ

लेख

84 आपदा लेख—कोरोना से ज्यादा खतरनाक हो सकता है टिड्डियों का हमला
86 सामरिक लेख—बिहार रेजिमेंट की शौर्य गाथा
88 समसामयिक लेख—जनसंख्या विस्फोट और बढ़ता शहरीकरण
90 ऐतिहासिक लेख—अलाउद्दीन खिलजी की प्रशासनिक एवं आर्थिक व्यवस्था
93 पर्यावरणीय लेख—जल संसाधनों का अपव्यय तथा बेहतर प्रबन्धन के उपाय
96 नेट परीक्षा (हिन्दी विषय) हेतु विशेष शोध आलेख—हिन्दी में सर्वप्रथम
98 जैव विविधता लेख—जैव विविधता के विभिन्न पहलू
100 अन्तर्राष्ट्रीय लेख—संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् एवं स्थायी सदस्यता हेतु भारत की दावेदारी का औचित्य
103 सार संग्रह

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

106 (i) छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा, 2019
112 (ii) उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 2019
123 (iii) यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
128 (iv) आगामी संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
141 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
143 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
148 ऐच्छिक विषय—(i) शारीरिक शिक्षा—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
156 (ii) उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2016
161 वर्षांत समीक्षा 2019—अन्तरिक्ष विभाग
162 सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति—केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर्स परीक्षा, 2019
166 संख्यात्मक अभियोग्यता—आर.बी.आई. ग्रेड 'बी' अधिकारी परीक्षा, 2019
170 क्या आप जानते हैं ?
171 अपना ज्ञान बढ़ाइए
172 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक—197
174 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—कृत्रिम मेधा भावी विकास की कुंजी
176 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—491 का परिणाम
177 English Language–LIC AAO (Pre.) Exam., 2019
181 वार्षिकी

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

सम्पादकीय

विवेक को अपना शिक्षक बनाइए

विवेक विचारों को समझने और उन्हें कार्यरूप देने में व्यक्ति का मार्गदर्शन करता है. — ***अज्ञात***

जीवन में कभी-कभी ऐसी परिस्थितियाँ आ जाती हैं जब सर्वमान्य मूल्यों एवं मान्यताओं को त्यागना श्रेयस्कर प्रतीत होता है. प्रश्न उत्पन्न होता है कि इन परिस्थितियों में ऐसा करना ही वांछनीय होगा, इसका निर्णय कौन कर सकता है, तथा यह निर्णय किस आधार पर किया जाता है ? उत्तर है कि विवेक अन्तिम निर्णय करने में सक्षम है, क्योंकि वह आत्मतत्व का अंश है तथा अहंकार द्वारा आवृत या आछन्न नहीं होता है.

हम सामान्यतः कीचड़ से दूर रहते हैं. हम यह भी सहन नहीं कर सकते हैं कि कीचड़ की एक छींट भी हमारे कपड़ों पर गिरे, परन्तु कीचड़ में पड़े हुए रत्न अथवा स्वर्ण को देखकर उसको प्राप्त करने की इच्छा से तत्काल कीचड़ में हाथ डाल देते हैं. क्योंकि विवेक निर्णय देता है कि कीचड़ द्वारा गंदगी से होने वाली हानि की अपेक्षा रत्न/स्वर्ण की प्राप्ति हमारे लिए अधिक मूल्यवान है. कीचड़ की गंदगी क्षणिक है, रत्न/स्वर्ण से होने वाला लाभ कहीं अधिक स्थायी है. भले-बुरे, अस्थायी-स्थायी के मध्य निर्णय करने में समर्थ बनाने वाली शक्ति अथवा आत्मतत्व का नाम ही विवेक है. इस प्रश्न का उत्तर देना शेष रह जाता है कि किसी निर्णय को हम विवेक प्रेरित किस प्रकार मानें! इसके लिए सुधीजन ने दो कसौटियाँ निर्धारित की हैं. प्रत्येक कसौटी के साथ तीन प्रश्न जोड़ दिए गए हैं; यथा—

कसौटी 1.—इसके साथ जुड़े हुए तीन प्रश्न हैं—

(क) प्रस्तावित कार्य को यदि वे लोग करने लगें, जिनके प्रति हमारे मन में सम्मान का भाव एवं पूज्य बुद्धि है, तो क्या हमें अच्छा लगेगा ?

(ख) प्रस्तावित कार्य/व्यवहार यदि कोई अन्य हमारे प्रति करे, तो क्या हमें अच्छा लगेगा ?

(ग) प्रस्तावित कार्य को यदि सब लोग करने लगें, तो क्या वह जनहित में होगा ?

यदि तीनों प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' में आते हैं, तो हमें मान लेना चाहिए कि प्रस्तावित कार्य विवेक सम्मत अथवा विवेक प्रेरित है. यदि एक भी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट 'हाँ' में नहीं आता है, तो हमें मान लेना चाहिए कि प्रस्तावित कार्य की प्रेरक आवाज विवेक की न होकर अहंकार की है.